

# बंधुआ मजदूर

समस्याएँ और समाधान



डॉ० (श्रीमती) ऊषा सिंह  
एव० पी० सिंह

के. के. पब्लिकेशन्स

**प्रथम संस्करण : 2001**

**मूल्य : मात्र रु. 175-00**

**प्रकाशक : के.के. पब्लिकेशन्स**

---

875, कटरा, इलाहाबाद-211002

Ph : 600216

**कम्प्यूटर डिजाइनिंग : आइडियल कम्प्यूटर प्राइन्ट २२ए/7**  
कर्नलगंज, यूनिवर्सिटी रोड, इलाहाबाद

**मुद्रक : एकेडेमी प्रेस, इलाहाबाद**

## विषय-सूची

|                                                                                                   |                    |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------|
| 1. प्रस्तावना                                                                                     | 1-6                |
| 2. टीकमगढ़ जिला का परिचय                                                                          | 7-19               |
| 3. बंधुआ मजदूर : ऐतिहासिक सिंहावलोकन                                                              | 20-39              |
| 4. टीकमगढ़ में बंधुआ प्रथा का इतिहास एवं वर्तमान                                                  | 41-48              |
| 5. बंधुआ मजदूर-विधि और सामाजिक सन्दर्भ                                                            | 49-79              |
| 6. बंधुआ मजदूर और गैर बंधुआ मजदूरों का तुलनात्मक अध्ययन                                           | 80-85              |
| 7. बंधुआ मजदूरों का बंधित होने से पूर्व तत्कालीन और पश्चात का तुलनात्मक अध्ययन                    | 86-99              |
| 8. बंधुआ मजदूरों और बंधुआ मजदूरों के मालिकों (नियोक्ताओं) एवं समाज के विभिन्न वर्गों की अवधारणाएँ | 100-110            |
| 9. बंधुआ मजदूरों की सामाजिक, सांस्कृतिक परम्पराएँ                                                 | 111-123            |
| 10. बंधुआ मजदूरी : कारण और निवारण                                                                 | 114-133            |
| 11. उपसंहार : सम्भावनाएँ                                                                          | 134-143            |
| 12. परिशिष्ट (बंधित श्रम-पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 सन्दर्भ ग्रन्थ सूची                       | 144-155<br>156-158 |

1998

[illegible]

The first part of the book is devoted to a general survey of the history of the world from the beginning of time to the present day. The second part is devoted to a detailed account of the events which have shaped the modern world.

1. *Chrysomelidae* (beetles)  
 2. *Curculionidae* (weevils)  
 3. *Chrysomelidae* (beetles)  
 4. *Curculionidae* (weevils)

# समाजशास्त्र पर उपयोगी प्रकाशन

|                                      |                               |
|--------------------------------------|-------------------------------|
| समाजशास्त्र (तृतीय संशोधित संस्करण)  | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
| भारतीय समाज (तृतीय संशोधित संस्करण)- | प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव   |
| सामाजिक परिवर्तन                     | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
| सामाजिक मानवविज्ञान :                |                               |
| भारत का जनजातीय संदर्भ               | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
| सामाजिक अनुसंधान                     | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
|                                      | - प्रो० आनन्द कुमार सिन्हा    |
| भारतीय सामाजिक समस्याएँ              | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
| समाजशास्त्रीय निबन्ध                 | - प्रो० ए० आर० एन० श्रीवास्तव |
| वृद्धजनों का समाजशास्त्रीय अध्ययन    | - डॉ० सुमन रानी सिन्हा        |

Published By :

**K. K. Publications**

875, Katra, Allahabad -211002; Ph. : 600216